सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

एम्. फिल. हिंदी पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालयों/शोध संस्थानों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रदेय है–शोध कार्य। इस शोध–कार्य को व्यवस्थित रूप देने के लिए एम्.फिल. पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध–प्रविधि का विधिवत् प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत ऐसे पाठ्य विषयों का समावेश किया जा रहा है, जो शोधार्थी के लिए आवश्यक है, परंतु जिनका संज्ञान उसे पहले नहीं कराया जा सका है।

प्रश्नपत्र- एक

विषय- अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

1. अनुसंधान का स्वरूप : अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य, अनुसंधान की विविध परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण, अनुसंधान के उद्देश्य, अनुसंधान की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठता, तर्कसंगति, प्रमाणबद्ता ।
2. अनुसंधान और आलोचना।
3. अनुसंधान के मूल तत्व।
4. अनुसंधान के प्रकारः साहित्यिक, साहित्येत्तर, दोनों में साम्य–वैषम्य, अंतःसंबंध, साहित्यिक अनुसंधान के प्रकार– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय अनुसंधान का सामान्य परिचय ।
5. अनुसंधान की प्रक्रिया : विषय–चयन, सामग्री संकलन, हस्तलेख–संकलन एवं उपयोगिता, सामग्री का विश्लेषण एवं संश्लेषण, विवेचन, निष्कर्ष एवं स्थापना।
6. शोध–प्रबंध लेखन प्रणालीः शोध प्रबंध शीर्षक निर्धारण, रुपरेखा, भूमिका–लेखन, अध्याय–विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, टंकन, वर्तनी सुधार।
7. अनुसंधान कार्य के घटकः अनुसंधान कर्ता के गुण एवं निर्देशक का दायित्व।

प्रश्नपत्र– दो

विषय- हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

1. विचारधारा और साहित्य ।
2. विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन।
3. मध्ययुगीन–बोध और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य ।
4. पुनर्जागरण, पुनरुत्थान, हिंदी लोक जागरण, राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन।
5. राष्ट्रीयता और आंतर्राष्ट्रीयता ।
6. हिंदी साहित्य से संबद्ध विशिष्ट मतवाद– अध्यात्मवाद, गांधीवाद, मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अंतश्चेतनावाद, उत्तर–आधुनिकतावाद।
7. भारतीय संवैधानिक व्यवस्था–लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित–चेतना, स्त्री–विमर्श ।
8. आंचलिकता और महानगर बोध ।
9. साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन– साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शन, मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, भाषा–वैज्ञानिक विवेचन, भाषा–प्रौद्योगिकी, साहित्य का वैज्ञानिक बोध ।

प्रश्नपत्र– तीन

विषय- तुलनात्मक साहित्य

1. तुलनात्मक साहित्यः परिभाषा और स्वरुप
2. तुलनात्मक साहित्य प्रविधिः कृति और साहित्यकार के संदर्भ में युग, दर्शन, साहित्य विधा, भाषा आदि का तुलनात्मक अध्ययन।
3. तुलनात्मक साहित्यः अध्ययन क्षेत्र–
   - एक भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन
   - एक भाषा की दो कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन
   - भिन्न भाषा की दो कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन
   - भिन्न भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन
4. विधाओं का तुलनात्मक अध्ययनः
   एक या भिन्न भाषाओं की विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन
5. भारतीय साहित्य की अवधारणा
6. अनुवादः परिभाषा, स्वरुप और प्रविधि
7. अनुवाद के निकष
8. तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद का महत्व

प्रश्नपत्र– चार

लघु शोध–प्रबंध

इसके अंतर्गत लगभग 100 से 150 (सौ से डेढ़ सौ) तक टंकित पृष्ठों का लघु–शोध–प्रबंध परीक्षणार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। विषय का आबंटन संबंधित शोध–विभाग द्वारा किया जायेगा। विभाग ही विशेषज्ञ/निर्देशक की व्यवस्था करेगा। इस लघु–शोध–प्रबंध का मूल्यांकन 100 अंकों में से बाह्य विशेषज्ञ परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है।

प्रश्नपत्र – पाँच

मौखिकी

100 अंकों की यह परीक्षा एक बाह्य और एक आंतरिक परीक्षक (जो निर्देशक होता है) द्वारा सम्मिलित रुप से ली जायेगी।

मूल्यांकन सूचनाएँः

1. सभी परीक्षाओं का आयोजन शोध केंद्रों के द्वारा ही किया जायेगा ।
2. लघु–शोध–प्रबंध के अंतिम निर्धारण के लिए शोध समिति (आर.और आर.) की मान्यता अनिवार्य होगी ।
3. लघु–शोध–प्रबंध के परीक्षकों की नामिका हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा निर्धारित की जाएगी ।
4. लघु–शोध–प्रबंध की मौखिकी संबंधित शोध केंद्र पर संपन्न होगी ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह
2. शोध तंत्र और सिध्दांत - शैलकुमारी
3. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
4. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
5. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. मनमोहन सहगल
6. साहित्य सिध्दांत और शोध – डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
7. हिंदी शोध तंत्र की रुपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल
8. शोध स्वरुप एवं मानक – डॉ. सरनाम सिंह शर्मा
9. शोध स्वरुप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – डॉ. वैजनाथ सिंहल
10. अनुसंधान प्रविधि – सुरेशचंद्र निर्मल
11. शोध विज्ञान कोश – डॉ. दु. का. संत, पुणे विदयार्थी गृह प्रकाशन,पुणे
12. Introduction to Research - T. Hallway
13. भाषा और समाज – डॉ. रामविलास शर्मा
14. अनुसंधान के तत्व – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
15. साहित्य और इतिहास दृष्टि – डॉ. मैनैजर पांडेय
16. साहित्य कोश भाग 1 – संपादक डॉ. धीरंद्र वर्मा, ज्ञान मंडल, वाराणसी
17. उत्तर आधुनिकता साहित्य विमर्श – डॉ. सुधीश पचौरी
18. उत्तर आधुनिकता,संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र – डॉ. गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
19. हिंदी साहित्य में विविध वाद – डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल, लोकभारती,इलाहबाद
20. तुलनात्मक साहित्य – संपादक डॉ. राजमल बोरा
21. अनुवाद क्या है ? – संपादक डॉ. राजमल बोरा
22. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23. अनुवाद का स्वरुप – डॉ. सुरेशकुमार
24. अनुवाद सिध्दांत – डॉ. जी. गोपीनाथन्
25. भारतीय साहित्य की भूमिका – डॉ. रामविलास शर्मा
26. भारतीय साहित्याची संकल्पना – संपादक डॉ.द.दि.पुंडे
27. उत्तर आधुनिकता,साहित्य विमर्श– डॉ. सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
28. साहित्य विविधवादः भाषाविज्ञान के सिद्धांत– डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रका. पुणे
29. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन– डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
30. अनुसंधान प्रविधिः सिद्धांत और प्रक्रिया – एस. एन. गणेशन, लोकभारती,इलाहबाद